उत्सव तथा व्रतन की

टिप्पणी

प्रकाशक

श्री पुष्टिमार्गीय तृतीयपीठ प्रन्यास

काँकरोली

टिप्पणी निर्माण संपादन

श्री बिन्दुलाल शर्मा, काँकरोली

मुद्रक

श्री हरि प्रिन्टस

लाड एपार्टमेन्ट, पोलोग्राउन्ड के सामने, बडौदा.

तृतीय पीठ श्री द्वारकाधीश मंदिर, कांकरोली संबंधित
जानकारी के लिये मुलाकात कीजिये

www.vallabhkankroli.org

''विज्ञप्ति''

श्रीमद् जगदगुरु श्री वल्लभाचार्य तृतीय पीठ प्रन्यास की और से पुष्टि सम्प्रदाय के व्रतोत्सवों की अद्यावधि उपलब्ध विभिन्न टिप्पणियों का परिशीलन कर तथा कुछ आधुनिक विद्या के केलेंडरों का अभ्यास कर एक नये प्रकार की टिप्पणी के प्रकाशन का प्रारम्भ किया जा रहा है। जिस में भगवत्सेवा रसिक जनों के साथ ही सामान्य जन–समाज के उपयोग को भी लक्ष्य में रख कुछ विशेष सूचनादि यथा स्थान किये गये है।

तृतीय गृह के वैष्णव समाज के लाभार्थ श्री द्वारकेश प्रभु के यहां मनाये जाने वाले उत्सवादि विशेष रूप से निर्दिष्ट है, साथ ही कुछ संग्रहणीय चित्र और मननीय वचनामृत भी निवेशित किये गये है। आशा है सहृदयजनों का मानसोल्लास वर्ष यात्रा का पाथेय बनेगा।

चैत्र शुक्ल पक्ष **संवत २०६९**

श्री वल्लभाब्द ५३४ **मार्च–अप्रेल–२०१२**

तिथि	वार	ता.	उत्सव — वसंत ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	शुक्र	२३	नूतनवर्षारम्भ, विश्वावसु संवत्सर प्रारंभ
२	शनि	२४	
३	रवि	२५	गणगौर
४	सोम	२६	
५	मंगल	२७	
५	बुध	२८	पंचमी की वृद्धि
६	गुरु	२९	षष्ठपुत्र श्री यदुनाथजी को उत्सव (१६१५)
७	शुक्र	३०	
८	शनि	३१	उत्सव श्री व्रजभूषणजी (१८३५)
९	रवि	१	**अप्रेल**, श्री रामनवमी व्रत, उत्सव श्री व्रजभूषणजी (१६३६) श्री बालकृष्णलालजी के लालजी
१०	सोम	२	व्रत की पारणा, जन्मदिन गो. श्री गोपाललालजी, कोटा
११	मंगल	३	कामदा ११ व्रत, श्री महाप्रभुजी के उत्सव की बधाई
१२	बुध	४	
१३	गुरु	५	चतुर्दशी को क्षय
१५	शुक्र	६	पूर्णिमा, श्री द्वारकाधीशजी को छप्पनभोग उत्सव (१९८१) श्री भाभीजी महाराज कृत, वैशाख स्नानारम्भ

वैशाख कृष्ण पक्ष (गु.चैत्र) **संवत २०६९**

श्री वल्लभाब्द ५३४-५३५ **अपैल २०१२**

तिथि	वार	ता.	उत्सव	वसंत- ग्रीष्म ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	शनि	७		
२	रवि	८		
३	सोम	९		
४	मंगल	१०		
५	बुध	११		षष्ठी को क्षय, जन्मदिन गो. श्री त्रिलोकी भूषणजी (श्री शिशिरकुमारजी) काँकरोली व गो. श्री विठ्ठलनाथजी (लालमणिजी) कोटा-मुंबई
७	गुरु	१२		उत्सव श्री द्वारकाधीशजी के साथ श्री मथुराधीशजी बाग में बिराजे (१९६६), पाटोत्सव श्री विठ्ठलनाथजी, नाथद्वारा
८	शुक्र	१३		मेष संक्रान्ति सायं ७.१८ बजे
९	शनि	१४		सतुआ गोपीवल्लभ में धरावें।
१०	रवि	१५		पाँच स्वरुपोत्सव ति. श्री गोवर्धनलालजी कृत
११	सोम	१६		वरुथिनी ११ व्रत, महाप्रभु श्री वल्लभाचार्यचरण को उत्सव (१५३५), श्री वल्लभाब्द ५३५ प्रारम्भ
१२	मंगल	१७		
१२	बुध	१८		द्वादशी की वृद्धि
१३	गुरु	१९		
१४	शुक	२०		ग्रीष्म ऋतु: प्रारंभ
३०	शनि	२१		अमावस्या

वैशाख शुक्ल पक्ष **संवत २०६९**

श्री वल्लभाब्द ५३५ **अप्रेल–मई–२०१२**

तिथि	वार	ता.	उत्सव	ग्रीष्म ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	रवि	२२	उत्सव श्री पुरुषोत्तमजी (१८४७), छप्पनभोग उत्सव, श्री श्रीनाथजी, श्री द्वारकाधीशजी के साथ बिराजे (२०५०) विद्यमान गो. श्री व्रजेशकुमारजी महाराज कृत	
२	सोम	२३		
३	मंगल	२४	अक्षय तृतीया, चन्दन यात्रा, जलकुम्भ दान, उत्सव श्री ब्रजभूषणलालजी महाराज गादी बिराजे (१९७६)	
४	बुध	२५	जन्मदिन गो. श्री पीताम्बरजी (श्री परागकुमारजी) कांकरोली	
५	गुरु	२६	श्री द्वारकाधीशजी को छप्पनभोग उत्सव (२०५५), विद्यमान गो. श्री ब्रजेशकुमारजी महाराज कृत, चि. वेदांतकुमारजी एवं चि. सिद्धान्तकुमारजी के यज्ञोपवीत को, पाटोत्सव श्री नटवरलालजी, अमदावाद	
६	शुक्र	२७		
७	शनि	२८		
८	रवि	२९		
९	सोम	३०		
१०	मंगल	१	**मई**	
११	बुध	२	मोहिनी ११ व्रत	
१२	गुरु	३	गो. श्री ब्रजेशकुमारजी महाराज गादी बिराजे (२०३७)	
१३	शुक्र	४		
१४	शनि	५	उत्सव श्री द्वारकेशजी (१६३०) श्री बालकृष्णजी के लालजी नृसिंह जयन्ती	
१५	रवि	६	पूर्णिमा, वैशाख स्नान समाप्ति	

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष (गु. वैशाख)				संवत २०६९
श्री वल्लभाब्द ५३५				मई २०१२
तिथि	वार	ता.	उत्सव	ग्रीष्म ऋतु : रवि उत्तरायणे
२	सोम	७	एकम को क्षय चार स्वरुपोत्सव ति. श्री दाउजी महाराज कृत (१९६६) पाटोत्सव श्री कल्याणरायजी, बडौदा	
३	मंगल	८		
४	बुध	९		
५	गुरु	१०	श्री द्वारकाधीशजी को छप्पनभोग उत्सव (१९७६) श्री भाभीजी महाराज कृत	
६	शुक्र	११		
७	शनि	१२		
८	रवि	१३		
९	सोम	१४	श्री द्वारकाधीशजी को छप्पनभोग उत्सव (२०४१) विद्यमान गो. श्री व्रजेशकुमारजी महाराज कृत	
१०	मंगल	१५	पाटोत्सव, श्री गोपाललालजी महाराज मंदिर, बडौदा	
११	बुध	१६	अपरा ११ व्रत	
१२	गुरु	१७		
१३	शुक्र	१८	जन्मदिन गो. चि. व्रजाभरणजी (चि. कपिलकुमारजी) काँकरोली	
१४	शनि	१९		
३०	रवि	२०	अमावस्या	

ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष				संवत २०६९
श्री वल्लभाब्द ५३५				मई–जून २०१२
तिथि	वार	ता.	उत्सव	ग्रीष्म ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	सोम	२१		
१	मंगल	२२	एकम की वृद्धि	
२	बुध	२३		
३	गुरु	२४		
४	शुक्र	२५	आज सूं आषाढ कृष्ण ३ गुरुवार तक सूर्य रोहिणी नक्षत्र में श्री प्रभुन को चन्दन धरावें	
५	शनि	२६	श्री श्रीनाथजी के नाव को मनोरथ, जन्मदिन गो. चि. पुरुषोत्तमजी (चि. वागीशकुमारजी) कांकरोली एवम् गो. श्री हरिरायजी, जामनगर	
६	रवि	२७	उत्सव श्री पुरुषोत्तमजी (१६४४) श्री बालकृष्णजी के लालजी	
७	सोम	२८	उत्सव श्री व्रजनाथजी (१७८८)	
८	मंगल	२९	जन्मदिन चि. श्री विठ्ठलनाथजी (चि. शरणम्कुमारजी) बडौदा–काँकरोली	
९	बुध	३०		
१०	गुरु	३१	गंगा दशहरा, श्री यमुनाजी को उत्सव	
११	शुक्र	१	**जून**, निर्जला ११ व्रत, जन्मदिन गो. चि. प्रबोधकुमारजी मथुरा–काँकरोली, द्वादशी को क्षय	
१३	शनि	२		
१४	रवि	३	जन्मदिन गो. चि. व्रजालंकारजी (चि. नैमिषकुमारजी) काँकरोली	
१५	सोम	४	पूर्णिमा, स्नान को जल भरनो, अधिवासन करनो	

आषाढ कृष्ण पक्ष (गु. ज्येष्ठ) **संवत २०६९**

श्री वल्लभाब्द ५३५ **जून २०१२**

तिथि	वार	ता.	उत्सव	ग्रीष्म ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	मंगल	५	ज्येष्ठाभिषेक, स्नानयात्रा	
२	बुध	६		
३	गुरु	७		
५	शुक्र	८	चतुर्थी को क्षय	
६	शनि	९	श्री द्वारकाधीशजी को खसखाना मनोरथ, उत्सव श्री द्वारकेशजी (१९६४), जन्मदिन गो. श्री श्याम मनोहरजी कृष्णगढ (पारला)	
७	रवि	१०		
८	सोम	११	श्री द्वारकाधीशजी को छप्पनभोग उत्सव (२०१७) गो. श्री व्रजेशकुमारजी के विवाहको, गो. श्री व्रजभूषणलालजी महाराज कृत	
९	मंगल	१२		
९	बुध	१३	नवमी की वृद्धि	
१०	गुरु	१४		
११	शुक्र	१५	योगिनी ११ व्रत	
१२	शनि	१६		
१३	रवि	१७		
१४	सोम	१८		
३०	मंगल	१९	अमावस्या	

आषाढ शुक्ल पक्ष **संवत २०६९**

श्री वल्लभाब्द ५३५ **जून–जूलाई २०१२**

तिथि	वार	ता.	उत्सव ग्रीष्म–वर्षा ऋतु : रवि उत्तर–दक्षिणायणे
१	बुध	२०	
२	गुरु	२१	रवि दक्षिणायणे, वर्षा ऋतु: आरम्भ
३	शुक्र	२२	रथयात्रा
४	शनि	२३	
५	रवि	२४	पाटोत्सव, श्री द्वारकाधीशजी (१७२०) काँकरोली
६	सोम	२५	कसुम्भा छठ्ठ, षष्ठी पंडगू श्री लक्ष्मण भट्टजी को उत्सव
७	मंगल	२६	
८	बुध	२७	जन्मदिन गो. चि. अभिषेक कुमारजी,मथुरा–काँकरोली
९	गुरु	२८	
१०	शुक्र	२९	बैंगन दशमी
११	शनि	३०	देवशयनी ११ व्रत, चातुर्मास्य नियमारम्भ
१२	रवि	१	**जूलाई**
१३	मंगल	२	जन्मदिन गो. चि. शरदकुमारजी, मथुरा–काँकरोली चतुर्दशी को क्षय
१५	मंगल	३	व्यास पूर्णिमा, गुरु पूर्णिमा, पर्वात्मकोत्सव

श्रावण कृष्ण पक्ष (गु.आषाढ) **संवत २०६९**

श्री वल्लभाब्द ५३५ **जुलाई २०१२**

तिथि	वार	ता.	उत्सव	वर्षा ऋतु : रवि दक्षिणायणे
१	बुध	४	हिन्दौरा आरम्भ	
२	गुरु	५		
३	शुक्र	६		
४	शनि	७	जन्माष्टमी की बधाई काँकरोली, श्री गोकुलचंद्रमाजी, कामवन तथा श्री गोकुलनाथजी, गोकुल को पाटोत्सव	
५	रवि	८		
६	सोम	९	उत्सव श्री द्वारकाधीशजी के साथ श्री नवनीत प्रियाजी एवं श्री विठ्ठलनाथजी बाग में बिराजे (२०४२) विद्यमान गो. श्री व्रजेशकुमार महाराज कृत	
७	मंगल	१०		
८	बुध	११	जन्माष्टमी की बधाई, नाथद्वारा	
९	गुरु	१२		
१०	शुक्र	१३		
११	शनि	१४	कामिका ११ व्रत	
१२	रवि	१५		
१२	सोम	१६	द्वादशी की वृद्धि	
१३	मंगल	१७	उत्सव श्री बालकृष्णलालजी (१९२४) तथा आप द्वारा कृत श्री द्वारकाधीशजी को दुहेरो मनोरथ जन्मदिन गो. श्री कल्याणरायजी, नाथद्वारा	
१४	बुध	१८		
३०	गुरु	१९	हरियाली अमावस्या	

श्रावण शुक्ल पक्ष **संवत २०६९**

श्री वल्लभाब्द ५३५ **जुलाई–अगस्त–२०१२**

तिथि	वार	ता.	उत्सव	वर्षा ऋतु : रवि दक्षिणायणे
१	शुक्र	२०		
२	शनि	२१		
३	रवि	२२	ठकुरानी तीज, मधुश्रवा तृतीया	
४	सोम	२३		
५	मंगल	२४	नाग पंचमी, श्रीजी की ऊर्ध्व भुजा के दर्शन	
७	बुध	२५	षष्ठी को क्षय, उत्सव श्री द्वारकानाथजी (१६८२)	
८	गुरु	२६		
९	शुक्र	२७	सप्त स्वरुपोत्सव ति. श्री गोविन्दलालजी महाराज कृत (सं. २०२३) पाटोत्सव श्री लाडिलेशजी, सूरत	
१०	शनि	२८		
११	रवि	२९	पुत्रदा ११ व्रत, पवित्रा, पवित्रा एकादशी, श्रीनकूं पवित्रा श्रृंगार में ७.३० के पूर्व धरावें	
१२	सोम	३०	गुरुनकूं पवित्रा धरावें	
१३	मंगल	३१		
१४	बुध	१	**अगस्त,** ऋग्वेदीन की श्रावणी	
१५	गुरु	२	पूर्णिमा, रक्षाबन्धन, श्रीनकूं रक्षा भोग संध्या में धरावे श्रावणी, आपस्तम्ब, हिरण्यकेशीय, बोधायन, काण्व, माध्यंदिनां, ऋग्वेदीन, सर्वयजुर्वेदीन तथा अथर्ववेदीन की श्रावणी	

निज भाद्रपद कृष्ण पक्ष (गु.श्रावण)				संवत २०६९
श्री वल्लभाब्द ५३५				अगस्त २०१२
तिथि	वार	ता.	उत्सव	वर्षा ऋतु : रवि दक्षिणायणे
१	शुक्र	३	पांच स्वरुपोत्सव – काँकरोली (सं. २०२३)	
२	शनि	४	हिन्दौरा विजय	
			जन्मदिन गो. श्री दानीरायजी, जूनागढ, कज्जली तीज	
४	रवि	५	तृतीया को क्षय	
४	सोम	६	चतुर्थी की वृद्धि	
५	मंगल	७		
६	बुध	८		
७	गुरु	९	शयन में षष्ठी को उत्सव, श्री विष्णुस्वामी प्राकट्य उत्सव	
८	शुक्र	१०	जन्माष्टमी व्रत, श्री कृष्ण जन्मोत्सव	
९	शनि	११	नन्द महोत्सव, उत्सव श्री व्रजभूषणजी (१७००)	
१०	रवि	१२		
११	सोम	१३	अजा ११ व्रत	
१२	मंगल	१४		
१३	बुध	१५	छठ्ठी को पलना, कलियुगादि	
१४	गुरु	१६		
३०	शुक्र	१७	कुशग्रहणी अमावस्या, जन्मदिन चि. अवतंश कुमारजी (मधुरमजी) काँकरोली, बडौदा	

अधिक भाद्रपद शुक्ल पक्ष **संवत २०६९**

श्री वल्लभाब्द ५३५ **अगस्त २०१२**

तिथि	वार	ता.	उत्सव	वर्षा–शरद ऋतु : रवि दक्षिणायणे
१	शनि	१८	पुरुषोत्तम मास प्रारम्भ	
२	रवि	१९		
३	सोम	२०		
४	मंगल	२१		
५	बुध	२२		
६	गुरु	२३	शरद ऋतु: प्रारम्भ	
७	शुक्र	२४		
८	शनि	२५		
१०	रवि	२६	नवमी को क्षय	
११	सोम	२७	कमला ११ व्रत	
१२	मंगल	२८		
१३	बुध	२९		
१४	गुरु	३०		
१५	शुक्र	३१	पूर्णिमा	

अधिक भाद्रपद कृष्ण पक्ष				संवत २०६९
श्री वल्लभाब्द ५३५				सितंबर २०१२
तिथि	वार	ता.	उत्सव	शरद ऋतु : रवि दक्षिणायणे
१	शनि	१	**सितंबर**	
२	रवि	२		
३	सोम	३		
४	मंगल	४		
५	बुध	५		
६	गुरु	६		
७	शुक्र	७		
८	शनि	८		
८	रवि	९	अष्टमी की वृद्धि	
९	सोम	१०	व्यतिपात	
१०	मंगल	११		
११	बुध	१२	कमला ११ व्रत	
१२	गुरु	१३		
१३	शुक्र	१४		
१४	शनि	१५		
३०	रवि	१६	अमावस्या, राधाष्टमी की बधाई	

निज भाद्रपद शुक्ल पक्ष				संवत २०६९
श्री वल्लभाब्द ५३५				सितंबर २०१२
तिथि	वार	ता.	उत्सव	शरद ऋतु : रवि दक्षिणायणे
२	सोम	१७	प्रतिपदा को क्षय, उत्सव श्री गिरधरलालजी (१८९८), सामवेदीन की श्रावणी	
३	मंगल	१८		
४	बुध	१९	गणेश चतुर्थी, जन्मदिन गो. चि. रत्नेशकुमारजी, मथुरा–काँकरोली	
५	गुरु	२०	ऋषि पंचमी, द्वितीय स्वरुपोत्सव, गुप्त उत्सव	
६	शुक्र	२१		
७	शनि	२२		
८	रवि	२३	श्री राधाष्टमी, जन्मदिन गो. श्री व्रजजीवनजी, अमरेली	
९	सोम	२४	उत्सव श्री गिरिधरजी (१८५४), श्रीमद् भागवत सप्ताह प्रारंभ	
१०	मंगल	२५		
११	बुध	२६	परिवर्तनी दान अेकादशी एवं वामन जयन्ती उत्सव श्री व्रजालंकारजी (१६४१) श्री बालकृष्णजी के लालजी एवं श्री पुरुषोत्तमजी लेखवाले (१७१४)	
१२	गुरु	२७		
१३	शुक्र	२८		
१४	शनि	२९	अनन्त चतुर्दशी	
१५	रवि	३०	पूर्णिमा, श्रीमद् भागवत सप्ताह समाप्ति, साँझी को प्रारम्भ, श्राद्ध पक्ष प्रारम्भ, प्रतिपदा को श्राद्ध, महालय प्रारम्भ	

आश्विन कृष्ण पक्ष (गु. भाद्रपद) **संवत २०६९**

श्री वल्लभाब्द ५३५ **अक्टूबर २०१२**

तिथि	वार	ता.	उत्सव — शरद ऋतु : रवि दक्षिणायणे
१	सोम	१	**अक्टूबर**, द्वितीया को श्राद्ध
२	मंगल	२	तृतीया को श्राद्ध
३	बुध	३	
४	गुरु	४	चतुर्थी को श्राद्ध
५	शुक्र	५	पंचमी को श्राद्ध, श्री हरिरायजी महाप्रभु को उत्सव (१६४७)
६	शनि	६	षष्ठी को श्राद्ध, व्यतिपात
७	रवि	७	सप्तमी को श्राद्ध,
८	सोम	८	अष्टमी को श्राद्ध, उत्सव श्री महाप्रभुजी के ज्येष्ठ पुत्र श्री गोपीनाथजी के पुत्र श्री पुरुषोत्तमजी को (१५८७)
९	मंगल	९	नवमी को श्राद्ध,
१०	बुध	१०	दशमी को श्राद्ध
११	गुरु	११	एकादशी को श्राद्ध, इन्दिरा एकादशी व्रत
१२	शुक्र	१२	द्वादशी को श्राद्ध उत्सव श्री गोपीनाथजी (१५६७)
१३	शनि	१३	त्रयोदशी को श्राद्ध उत्सव तृतीय पुत्र श्री बालकृष्ण लालजी (१६०६)
१४	रवि	१४	चतुर्दशी को श्राद्ध, शस्त्रहतन को श्राद्ध
१५	सोम	१५	सर्वपितृ अमावस्या, सांझी की समाप्ति, सर्वपितृ श्राद्ध कोट की आरती

विशेष : पूर्णिमा को श्राद्ध ३–बुधवार, ६–शनिवार, १२–शुक्रवार, अमावस्या–सोमवार इनमें सूं कोई दिन कर सकें।

आश्विन शुक्ल पक्ष **संवत २०६९**

श्री वल्लभाब्द ५३५ **अक्टूबर २०१२**

तिथि	वार	ता.	उत्सव शरद–हेमन्त ऋतु : रवि दक्षिणायणे
१	मंगल	१६	नवरात्रि प्रारम्भ, जन्मदिन गो. चि. प्रणयकुमारजी मथुरा–काँकरोली, मातामह श्राद्ध
२	बुध	१७	
३	गुरु	१८	
५	शुक्र	१९	चतुर्थी को क्षय
६	शनि	२०	सरस्वती आवाहन पूजन
७	रवि	२१	
८	सोम	२२	हेमन्त ऋतु: प्रारम्भ
९	मंगल	२३	जन्मदिन गो. श्री रविकुमारजी, काँकरोली, सरस्वती विसर्जन
१०	बुध	२४	विजयादशमी (दशहरा), अंकुरार्पण भोग संध्या में
११	गुरु	२५	पाशांकुशा ११ व्रत
१२	शुक्र	२६	
१३	शनि	२७	श्री द्वारकाधीशजी को छप्पनभोग उत्सव (१९४२) श्री बालकृष्णलालजी महाराज कृतु पाटोत्सव श्री बालकृष्णजी–सूरत
१४	रवि	२८	
१५	बुध	२९	शरद पूर्णिमा, रासोत्सव, कार्तिक स्नानारंभ

कार्तिक कृष्ण पक्ष (गु. आश्विन)				संवत २०६९
श्री वल्लभाब्द ५३५				अक्टूबर–नवम्बर २०१२
तिथि	वार	ता.	उत्सव	हेमन्त ऋतु : रवि दक्षिणायणे
१	मंगल	३०	दिन की शरद	
२	बुध	३१		
३	गुरु	१	**नवम्बर**	
३	शुक्र	२	तृतीया की वृद्धि	
४	शनि	३	उत्सव श्री गिरधरजी (१७४५), छप्पनभोग उत्सव	
५	रवि	४		
६	सोम	५		
७	मंगल	६	प्रथम नोमहला, गादी उत्सव, श्री बालकृष्ण लालजी (१९३६)	
८	बुध	७	द्वितीय नोमहला	
९	गुरु	८	तृतीय नोमहला	
१०	शुक्र	९		
११	शनि	१०	रमा ११ व्रत	
१२	रवि	११	गोवत्स द्वादशी	
१३	सोम	१२	धनत्रयोदशी, रुप चतुर्दशी	
१४	मंगल	१३	अमावास्या को क्षय, अभ्यंग स्नान, दीपावली, कानजगाई, गोकर्ण जागरण, लक्ष्मी पूजन, गोधूलिक वेला सायं ७.१५ से ८.४५ तक तथा सिंह लग्न में रात्रि १२.२३ से २.३९ तक	

कार्तिक शुक्ल पक्ष **संवत २०६९**

श्री वल्लभाब्द ५३५ **नवंबर २०१२**

तिथि	वार	ता.	उत्सव हेमंत ऋतु : रवि दक्षिण-उत्तरायणे
१	बुध	१४	अन्नकूटोत्सव, गोवर्धन पूजा, गुर्जराणां सं. २०६९ प्रारंभ
२	गुरु	१५	यमद्वितीया, भाईदूज
३	शुक्र	१६	
४	शनि	१७	
५	रवि	१८	जन्मदिन गो. चि. ब्रजभूषणजी, मथुरा-काँकरोली
६	सोम	१९	**नवम्बर,** उत्सव श्री मदनमोहनजी (कामवन) काँकरोली पधारे (२०३९)
७	मंगल	२०	
८	बुध	२१	गोपाष्टमी
९	गुरु	२२	अक्षयनवमी, कुष्माण्डदान, कृतयुगादि, उत्सव श्री ब्रजनाथजी (१६३२), श्री बालकृष्णजी के लालजी, गो. श्री अक्षयकुमारजी को जन्मदिन, मथुरा-काँकरोली, छप्पनभोग उत्सव श्री द्वारकाधीशजी को गोस्वामी श्री व्रजेशकुमारजी महाराज कृत संवत २०४८, तृतीय गृह महामहोत्सव: अलौकिक छप्पनभोग उत्सव-श्री द्वारकाधीशजी, श्री मदनमोहनजी, श्री लाडिलेशजी एवं श्री मथुराधीशजी साथ बिराजे विठ्ठल विलास बाग में विद्यमान गो. श्री व्रजेशकुमारजी महाराज एवं गो. श्री परागकुमारजी महाराज कृत (२०६४) (दि. १९-११-२००७)
१०	शुक्र	२३	उत्सव श्री बालकृष्णजी (सूरत) काँकरोली पधारे (२०४२)
११	शनि	२४	देव प्रबोधिनी ११ व्रत, देवोत्थापन सायं भोग संध्या में
१२	रवि	२५	उत्सव प्रथम पुत्र श्री गिरधरजी (१५९७) एवं पंचम पुत्र श्री रघुनाथजी (१६११)
१३	सोम	२६	जन्मदिन गो. चि. विठ्ठलनाथजी(चि. सिद्धान्तकुमारजी)काँकरोली
१४	मंगल	२७	
१५	बुध	२८	पूर्णिमा, चार स्वरुपोत्सव ति. श्री गोविन्दलालजी महाराज कृत, कार्तिक स्नान नियम समाप्ति

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष (गु.कार्तिक) **संवत २०६९**

श्री वल्लभाब्द ५३५ **नवम्बर–दिसंबर २०१२**

तिथि	वार	ता.	उत्सव	हेमंत ऋतु : रवि दक्षिणायणे
१	गुरु	२६	गोपमासारम्भ, वत्रचर्या	
२	शुक्र	३०		
३	शनि	१	**दिसंबर**	
४	रवि	२	छः स्वरुपोत्सव ति. श्री दाऊजी महाराज कृत जन्मदिन गो. श्री द्वारकेशलालजी, बडौदा–काँकरोली	
५	सोम	३		
५	मंगल	४	पंचमी की वृद्धि	
६	बुध	५		
७	गुरु	६		
८	शुक्र	७	उत्सव द्वितीय पुत्र श्री गोविन्दरायजी (१५९९) एवं उत्सव श्री गिरधरलालजी (१६६२), श्री द्वारकाधीशजी को छप्पनभोग उत्सव (१९९४) श्री ब्रजभूषणलालजी महाराज कृत, जन्मदिन गो. चि. ब्रजभूषणजी (चि. वेदान्तकुमारजी) काँकरोली	
९	शनि	८	दशमी को क्षय	
११	रवि	९		
१२	सोम	१०	उत्पत्ति ११ व्रत	
१३	सोम	११	उत्सव सप्तमपुत्र श्री घनश्यामजी (१६२८)	
१४	बुध	१२	उत्सव श्री गोकुलनाथजी (१८२१)	
३०	गुरु	१३	अमावस्या	

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष **संवत २०६९**

श्री वल्लभाब्द ५३५ **दिसंबर २०१२**

तिथि	वार	ता.	उत्सव हेमंत-शिशिर ऋतु : रवि दक्षिण-उत्तरायणे
१	शुक्र	१४	२०४८ में श्री कल्याणरायजी बैठक मंदिर पधारे छप्पनभोग आरोगे श्री व्रजेशकुमारजी कृत, उत्सव श्री ब्रजभूषणजी (१७६५), जन्मदिन गो. श्री श्यामसुन्दरजी, बनारस-चापासेनी, छप्पनभोग उत्सव श्री द्वारकाधीशजी, श्री नवनीत प्रियाजी, श्री विठ्ठलनाथजी, श्री कल्याण रायजी, श्री मथुराधीशजी, विठ्ठलविलास बाग में पधारे विद्यमान गोस्वामी व्रजेशकुमारजी एवं गोस्वामी श्री द्वारकेशलालजी महाराज कृत (२०६५) (दि. २९-११-२००८)
३	शनि	१५	द्वितीया का क्षय
४	रवि	१६	धनुर्मासारम्भ
५	सोम	१७	पाटोत्सव श्री मदनमोहनजी, कामवन
६	मंगल	१८	
७	बुध	१९	उत्सव चतुर्थ पुत्र श्री गोकुलनाथजी (१६०८) श्री गुसांईजी के उत्सव की बधाई
८	गुरु	२०	सप्तस्वरुपोत्सव ति. श्री गोवर्धनेशजी मा. कृत
९	शुक्र	२१	
१०	शनि	२२	शिशिर ऋतु: आरंभ, रवि उत्तरायणे
११	रवि	२३	मोक्षदा ११ व्रत
१२	सोम	२४	
१२	मंगल	२५	द्वादशी की वृद्धि
१३	बुध	२६	उत्सव श्री मथुराधीशजी काँकरोली पधारे (१९६५)
१४	गुरु	२७	
१५	शुक्र	२८	पूर्णिमा, श्री श्रीनाथजी को छप्पनभोग उत्सव, श्री बलदेवजी को उत्सव कितने माने हैं, गोपमास समाप्ति

पौष कृष्ण पक्ष (गु. मार्गशीर्ष) **संवत २०६९**

श्री वल्लभाब्द ५३४ **दिसंबर २०१२ जनवरी २०१३**

तिथि	वार	ता.	उत्सव हेमंत-शिशिर ऋतु : रवि दक्षिणा-उत्तरायणे
१	शनि	२९	पाटोत्सव श्री लाडिलेशजी, बुरहानपुर
२	रवि	३०	
३	सोम	३१	
४	मंगल	१	**जनवरी**
५	बुध	२	
६	गुरु	३	
७	शुक्र	४	श्री द्वारकाधीशजी को छप्पनभोग उत्सव (१८९५) श्री पुरुषोत्तमजी कृत
८	शनि	५	
९	रवि	६	प्रभुचरण श्री विठ्ठलनाथजी (गुसांईजी) को उत्सव (१५७२)
१०	सोम	७	जन्मदिन गो. श्री रसिकरायजी, मथुरा-पोरबन्दर
११	मंगल	८	सफला ११ व्रत
१२	बुध	९	
१३	गुरु	१०	चतुर्दशी को क्षय, उत्सव श्री विठ्ठलनाथजी (१८११)
३०	शुक्र	११	अमावस्या, जन्मदिन गो. चि. विशालकुमारजी, नाथद्वारा

पौष शुक्ल पक्ष **संवत २०६९**

श्री वल्लभाब्द ५३५ **जनवरी २०१३**

तिथि	वार	ता.	उत्सव	शिशिर ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	शनि	१२		
२	रवि	१३	धनुर्मास समाप्ति, भोगी	
३	सोम	१४	मकर संक्रान्ति प्रात: ७ बजे बैठे है, पुण्यकाल सूर्योदय सूं ३.३१ तक, तिलवा गोपीवल्लभ अथवा राजभोग में धरावें। छप्पनभोग उत्सव–गो.श्री व्रजेशकुमारजीकी षष्ठीपूर्ति को बडौदा में १०० स्वरुप को (सं. २०५६)	
४	मंगल	१५		
५	बुध	१६	जन्मदिन गो. संजीवकुमारजी, काँकरोली	
६	गुरु	१७		
७	शुक्र	१८		
८	शनि	१९		
९	रवि	२०		
१०	सोम	२१	जन्मदिन गो. श्री बालकृष्णलालजी महाराज (श्री ब्रजेशकुमारजी) कांकरोली	
११	मंगल	२२	पुत्रदा ११ व्रत	
१२	बुध	२३	जन्मदिन गो. श्री वल्लभलालजी, राजकोट	
१३	गुरु	२४		
१४	शुक्र	२५		
१४	शनि	२६	चतुर्दशी की वृद्धि	
१५	रवि	२७	पूर्णिमा, माघस्नानारम्भ	

माघ कृष्ण पक्ष (गु. पौष) **संवत २०६९**

श्री वल्लभाब्द ५३५ **जनवरी–फरवरी २०१३**

तिथि	वार	ता.	उत्सव	शिशिर ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	सोम	२८		
२	मंगल	२९		
३	बुध	३०		
४	गुरु	३१	गुप्त उत्सव	
५	शुक्र	१	**फरवरी**	
६	शनि	२		
७	रवि	३		
९	सोम	४	अष्टमी को क्षय	
			उत्सव श्री विठ्ठलनाथजी (१९७०) – काँकरोली – मथुरा	
१०	मंगल	५		
११	बुध	६	श्री मदनमोहनजी – कामवन, काँकरोली पधारे (२०५६)	
			षट्तिला ११ व्रत, तिलवा अवश्य भोग धरें	
१२	गुरु	७		
१३	शुक्र	८		
१४	शनि	९		
३०	रवि	१०	अमावस्या	

माघ शुक्ल पक्ष **संवत २०६९**

श्री वल्लभाब्द ५३५ **फरवरी २०१३**

तिथि	वार	ता.	उत्सव	शिशिर–वसंत ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	सोम	११		
२	मंगल	१२		
३	बुध	१३		
४	गुरु	१४	पाटोत्सव श्री मुकुन्दरायजी, काशी	
५	शुक्र	१५	वसन्त पंचमी, पाटोत्सव–श्री मदनमोहनजी, पोरबन्दर	
६	शनि	१६		
७	रवि	१७		
८	सोम	१८	जन्मदिन गो. श्री माधवरायजी, वेरावल	
९	मंगल	१९	वसंत ऋतु: आरंभ	
१०	बुध	२०		
११	गुरु	२१	जया ११ व्रत	
१२	शुक्र	२२		
१३	शनि	२३	जन्मदिन गो. श्री घनश्यामलालजी, कामवन	
१४	रवि	२४		
१५	सोम	२५	पूर्णिमा, होरी डन्डा रोपण सायं सूर्यास्त के बाद, माघ स्नान समाप्ति	

फाल्गुन कृष्ण पक्ष (गु. माघ) **संवत २०६९**

श्री वल्लभाब्द ५३५ **फरवरी–मार्च २०१३**

तिथि	वार	ता.	उत्सव	वसन्त ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	मंगल	२६		
२	बुध	२७	उत्सव श्री व्रजभूषणजी (१९६८)	
३	गुरु	२८	जन्मदिन – गो. श्री विठ्ठलेशरायजी, चापासेनी	
४	शुक्र	१	**मार्च,** गादी उत्सव – श्री गिरधरलालजी महाराज (१९०८) जन्मदिन प्रियम बावा गो. श्री रविकुमारजी के लालजी, कांकरोली, बडौदा	
५	शनि	२		
६	रवि	३		
७	सोम	४	श्री श्रीनाथजी को पाटोत्सव	
८	मंगल	५		
९	बुध	६	जन्मदिन गो. चि. गोपाललालजी, मथुरा–काँकरोली	
१०	गुरु	७		
११	शुक्र	८	विजया एकादशी व्रत, जन्मदिन गो. चि. वल्लभलालजी (चि. आश्रयकुमारजी) बडौदा – काँकरोली	
१३	शनि	१९	द्वादशी को क्षय	
१४	रवि	१०	शिवरात्रि	
३०	सोम	११	सोमवती अमावस्या	

फाल्गुन शुक्ल पक्ष **संवत २०६९**

श्री वल्लभाब्द ५३५ **मार्च २०१३**

तिथि	वार	ता.	उत्सव — वसन्त ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	मंगल	१२	
२	बुध	१३	जन्मदिन गो. श्री वल्लभलालजी – कामवन
३	गुरु	१४	
४	शुक्र	१५	
५	शनि	१६	
६	रवि	१७	
६	सोम	१८	षष्ठी की वृद्धि
७	मंगल	१९	पाटोत्सव श्री मथुरेशजी–कोटा जन्मदिन ति. गो. श्री इन्द्रदमनजी (राकेशकुमारजी), नाथद्वारा जन्मदिन चि. ब्रजरायजी, मथुरा–काँकरोली
८	बुध	२०	होलकाष्टकारम्भ
९	गुरु	२१	
१०	शुक्र	२२	
११	शनि	२३	आमलकी ११ व्रत, कुंज एकादशी
१२	रवि	२४	जन्मदिन गो. चि. अलंकारजी, मथुरा–काँकरोली
१३	सोम	२५	चौरासी स्तम्भ बगीचा, काँकरोली
१४	मंगल	२६	होलिकोत्सव, होलिका प्रदीपन पूर्णिमा के सूर्योदय सूं पूर्व
१५	बुध	२७	पूर्णिमा, धूलीवन्दन (धुरेटी), दोलोत्सव (डोल) उत्सव श्री पीताम्बरजी (१९३९) श्री बालकृष्णजी के लालजी

चैत्र कृष्ण पक्ष (गु. फाल्गुन) **संवत २०६९**

श्री वल्लभाब्द ५३५ **मार्च–अप्रेल २०१३**

तिथि	वार	ता.	उत्सव	वसन्त ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	गुरु	२८	द्वितीयापाट, अभ्यंग स्नान	
२	शुक्र	२९		
३	शनि	३०	चतुर्थी को क्षय	
५	रवि	३१	रंगपंचमी	
६	सोम	१	**अप्रेल**	
७	मंगल	२		
८	बुध	३		
९	गुरु	४	गुप्त उत्सव	
१०	शुक्र	५	श्री द्वारकाधीशजी को छप्पनभोग उत्सव (१९५१) श्री बालकृष्णलालजी कृत, जन्मदिन गो. श्री देवकीनन्दनजी, गोकुल	
११	शनि	६	पापमोचनी ११ व्रत	
१२	रवि	७		
१३	सोम	८		
१४	मंगल	९		
३०	बुध	१०	अमावस्या, वर्षे हर्षः प्रकर्षः स्यात्	

अधिकमास के दान को संकल्प

अधिक मास में नित्य अथवा पूर्वोक्त दिन में ३३ पूवा अथवा पक्वान्न ३३ कांस्य के पात्र में धरिके दक्षिणा सहित देने। बने तो घृत, सुवर्ण तथा वस्त्र हूं संग देने ताको संकल्प आचमन प्राणायाम करके करनो।

ॐ विष्णुर्विष्णुर्विष्णु:, श्रीमद्भगवतो महापुरुषस्याज्ञया प्रवर्त्तमानस्यद्यब्रह्मणो द्वितीये पराद्धे श्रीश्वेतवाराहकल्पे सप्तमे वैवस्वतमन्वन्तरे अष्टाविंशतितमे कलियुगे कलिप्रथमचरणे भूलोके जम्बूद्वीपे भारतवर्षे आर्यावन्तान्तर्गत ब्रह्मावतैकदेशे अमुक देशे बौद्धावतारे नवषष्ठि अधिकद्विसहस्त्र संख्या के विक्रमाब्दे विश्वावसुनाम संवत्सरे पंचत्रिंशत्युत्तर एकोनविंशतितमे शालिवाहन शाके नन्दननाम संवत्सरे वर्षा–शरदऋतौ: अधिक भाद्रपद पुरुषोत्तममासे अमुक पक्षे अमुक तिथौ अमुक वासरान्वितायाम अमुक नक्षत्रे अमुक योगे अमुक करणे अमुक राशि स्थिते श्रीचन्द्रे सिंह राशिस्थिते श्रीसूर्ये वृषभ राशि स्थिते श्रीदेवगुरौ शेषेषु ग्रहेषु यथाराशिस्थानस्थितेषु सत्स्वेहं ग्रहगुण विशेषण विशिष्टायां शुभपुण्यतिथौ मम वर्षत्रयोपार्जितं कायिक वाचिक मानसिक सांसर्गिक समस्त पापक्षयार्थं पुराणोक्त शुभफल प्राप्त्यर्थं श्रीगोपीजनवल्लभ प्रीत्यर्थमिमांस्त्रयस्त्रिशद पूपान् सहिरण्यान् सवस्त्रान् सदक्षिणान् यथानामगोत्राय यस्मै कस्मैचिद् ब्राह्मणाय दातुमहमुत्सृज्ये तेन पुण्येन भगवान् सर्वात्मा श्रीगोपीजनवल्लभ: प्रीयंताम्।

अपूप के ठिकाने पक्वान्न होय तो ताको नाम उच्चारण नहीं करनो।

प्रार्थना

विष्णुरुपी सहस्त्रांशु: सर्वपाप प्रणाशन:,

अपूपान्नप्रदानेन मम पापं व्यपोहतु।।

नारायण जगदबीज भास्कर: प्रतिरुपधृक,

दानेनानेन पुत्राश्च सम्पदं चार्भिवर्धय।।

यस्य हस्ते गदाचक्रो गरुडो यस्य वाहनम्,

शंख करतले यस्य स मे विष्णु: प्रसीदतु।।

कलाकाष्ठादिरुपेण निमेषघटिकादिना,

योवञ्चयति भूतानि तस्मै कालात्मने नम:।।

कुरुक्षेत्रसमो देश: कालपर्व: द्विजो हरि:,

पृथ्वीसममिदं दानं गृहाण पुरुषोत्तम:।।

मलानां च विशुद्ध्यर्थं पापप्रशमनाय च,

पुत्रपौत्रीभिवृध्यर्थं तव दास्यामि भास्कर।।

तथाच–यस्यस्मृया चनामोक्त्या तपोदानक्रियादिषु न्यूनं संपूर्णता याति सद्यो वन्दे तमच्युतम्। मन्त्रहीनं क्रियाहीनं भक्तिहीनं जनार्दन यत् कृतं तु मया देव परिपूर्ण तदस्तुमे। श्री विष्णवे नम:। श्री विष्णवे नम:। श्री विष्णवे नम:।

नोट : १ अपूपान्न (पूआ) देने होंतो उपर्युक्त ही बोलनो, अगर पकवान्न देने होय तो अपूपान्न के स्थान पर पक्कान्नान्न ऐसे बोलनो। जो वस्तु नहीं होय वाको नामोच्चारण संकल्प में नहीं करनो। श्री देवगुरौ ऐसे बोलनो।

संवत् २०६९ के ग्रहण एवं क्षेत्र जहाँ सूं दिखाई देवे

मास व पक्ष	दिनांक	ग्रहण	देश–स्थान
ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या	२०–२१ मई २०१२	सूर्य ग्रहण	उत्तरी अमेरीका, कनाडा, मैक्सिको, मंगोलिया नोर्वे, रुस, ग्रीनलेण्ड, चीन, ताइवान, कोरिया, बांगलादेश, जापान, फिलिपींस इत्यादि **भारत के पूर्वी राज्यों (असम, त्रिपुरा, मेघालय, नागालेंड, सिक्किम, मिझोरम, मणिपुरमें २० मई के सूर्योदय सूं) ग्रस्तोदित**
ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा	४ जून २०१२	चन्द्र ग्रहण	अमेरिकी महाद्वीप, ऑस्ट्रेलिया, चीन, पूर्वरुस, मलेशिया, फिलिपिंस, म्यानमार, थाइलैण्ड, जापान, इण्डोनेशिया इत्यादि **भारत में नहीं दिखेगो**
कार्तिक कृष्ण अमावस्या	१३–१४ नवम्बर २०१२	सूर्य ग्रहण	ऑस्ट्रेलिया, चिली, फिजी, पापुआन्यूगिनी, न्यूजीलैण्ड, इण्डोनेशिया इत्यादि। **भारत में नही दिखेगो**

नोट :– १. ग्रहण विषयक यम, नियम, सूतक, शुभ, अशुभ आदि मान्यताएं वहीं मानी जाय जहां सूँ ग्रहण दिखाई देवे।

२. ग्रहण के समय हेतु स्थानिक समय देखें।

श्रीद्वारकेशकेशवकेश विशेष स्तुतैक गुण लेश ।
श्रीशारदेशयेश प्रणत सुवेश त्वयिनति में ।।

।। श्री द्वारकेशस्तुतिः ।।

चरणं शरणं भवतु तव द्वारावतीनरेश।
सुरमुनिवंदितचरणयुगविरचितसुन्दरवेश।।
विरचितसुन्दरवेश शिखावलचन्द्रकभूषण।
भूषणभूषितभाल – शिखण्डकजितविधउभूषण।।
व्रजभूषणपदलास्यदीप्ति भवभीतिविहरणम्।
'व्रजजन' मानसहंस हर हि मम तापं चरणम्।।

।। अथ श्री द्वारकेशाष्टकम् ।।

इस टिप्पणीमें प. पू. गो. १०८ श्रीव्रजेशकुमारजी महाराज रचित **'श्री द्वारकेशाष्टकम्'** का रसास्वाद मानेंगे।

आपने एसी अनेक स्तोत्रो की रचना करके पुष्टिसंप्रदाय के आचार्यश्रीओ में विशिष्ट स्थान प्रस्थापीत कीया है।

वने गोपिकायूथमाकारयन्तं दरीद्वारदेशस्थितं गोपिकेशम् ।
रमेशं व्रजे गव्यमास्वादयन्तं भजे स्वामिनीवल्लभं द्वारकेशम् ।।१।।

निजानन्ददानाय वृन्दावनस्थान् रसोद्रेक भावै:कलक्वाणवेणुम् ।
मनोदेशदेशाधिपं माथुराणां भजे स्वामिनीवल्लभं द्वारकेशम् ।।२।।

प्रियापांगसम्पातनीलांगरुपं कलिन्दाद्रिजाकूललीलां स्मरन्तम् ।
विदाशून्यलोकान् सदुद्बोधयन्तं भजे स्वामिनीवल्लभं द्वारकेशम् ।।३।।

निकुञ्जे सुगुंजावनीये प्रियाया: निमील्याक्षिणी वेणुमुद्वादयन्तम् ।
व्रजानन्दकन्दं चतुर्बाहुरुपं भजे स्वामिनीवल्लभं द्वारकेशम् ।।४।।

गिरीन्द्रेण छत्राकरुपेण गोष्ठं सुरेन्द्रस्य कोपादहो! मोचयन्तम् ।
जलं तद्भवेनैव संशोषयन्तं भजे स्वामिनीवल्लभं द्वारकेशम् ।।५।।

सदारास रासेश्वरीमण्डलस्थं कलानाथकान्तिंदधद् गोकुलेशम् ।
जितं पंचबाणंस्वरुपेण रासे भजे स्वामिनीवल्लभं द्वारकेशम् ।।६।।

हरित्कौस्तुभव्याप्तवक्षोजदेशं महावैजयंतीलसद्भूषणांगम् ।
किरीटं गदाचक्रशंखान् धरन्तं भजे स्वामिनीवल्लभं द्वारकेशम् ।।७।।

सदास्वीय भक्तात्मपुष्टिं प्रदातुं कराग्रे वराख्याञ्च मुद्रां दधानम् ।
कृपादृष्टिसंजीविताशेषलोकं भजे स्वामिनीवल्लभं द्वारकेशम् ।।८।।

इमं द्वारकेशाष्टकं यः यठेद्वा जजेच्चापि भूयात्स वै वैष्णवानाम् ।
प्रधानः फलावाप्तिरेषा च भूया – दिति प्रार्थ्यते पादपद्मेषु तस्य ।।९।।

यशोदा यशोदानदक्ष स्वरुपो नटेशो व्रजेशः प्रपन्नं पुनातु ।
इति श्रीमदाचार्यदासस्यदास – व्रजेशोपनाम्नः कृतिः पूरिताऽभूत् ।।१०।।

इति श्रीमद्व्रजभूषणात्मज श्रीवजेश्वरकृतं श्रीद्वारकेशाष्टकं सम्पूर्णम्।।

गोस्वामी बालकन के जन्मदिन की सूचना गुर्जर मास प्रमाणे

(चि. सिद्धान्तकुमारजी)

''श्रीनाथद्वारा''

आ.सु. ९ श्री रविकुमारजी
फाग. सु. ७ ति श्री इन्द्रदमनजी
(श्री हरिरायजी)
(श्रीराकेशजी)
पोष सु. ५ चि. संजीवकुमारजी
श्रीइन्द्रदमनजी के लालजी–१
श्रीरविकुमारजीके लालजी–१
मार्ग. व. ३० चि. विशालजी
श्रावण व. ३० चि. अवतंशकुमारजी
(चि. भूपेशजी)
(मधुरमजी)

''श्रीनाथद्वारा–इन्दौर''

फागण व. ४ चि. प्रियमबावा
अषा व. १३ श्री [illegible]

''बडौदा–काँकरोली''

पोष सु. ५ श्री गोकुलोत्सवजी
कार्ति. व. ४ श्री द्वारकेशकुमारजी
अषा. सु. १० श्री देवकीनन्दनजी
(श्रीब्रजेशकुमारजी के लालजी)
श्रीकल्याणरायजी के लालजी–२
श्रीद्वारकेशकुमारजी के लालजी–२
मार्ग. व. ६ चि. हरिरायजी
माध व. १२ चि. वल्लभलालजी
आश्वि. सु. ९ चि. वागधीशजी
(चि.आश्रयकुमारजी)
श्रीगोकुलोत्सवजी के लालजी–१
जे. सु. ८ चि. विठ्ठलनाथजी
कार्ति. सु. ४ चि. व्रजोत्सवजी
(चि.शरणमकुमारजी)
श्रीदेवकीनन्दनजी के लालजी–१

''मथुरा–काँकरोली''

वैशा.व. ४ चि. दिव्यशजी
कार्ति. सु. ९ श्री अक्षयकुमारजी

श्रीयदुनाथजी के लालजी–२

अषा. सु. १४ चि. शरदकुमारजी

जेठ सु. ११ चि. प्रबोधकुमारजी

आश्वि सु. १ चि. प्रणयकुमारजी

''काँकरोली''

चि.शरदकुमारजी के लालजी–२
पोष. सु. १० श्री बालकृष्णलालजी
माध व. ९ चि. गोपाललालजी
(श्रीब्रजेशकुमारजी)
(चि. परेशकुमारजी)
वैशा. सु. ४ श्री पीताम्बरजी
फा. कृ–१२ (चि. अक्षत बावा)
(श्रीपरागकुमारजी)
कार्ति. सु. ५ चि. व्रजभूषणजी
चैत्र व. ६ श्री त्रिलोकीभूषणजी
चि.प्रबोधकुमारजी के लालजी–२
(श्रीशिशिरकुमारजी)
अषा सु. ८ चि. अभिषेकजी
श्रीब्रजेशकुमारजी के लालजी
(चि. रक्षितबावा)
जेठ सु. ५ चि. पुरुषोत्तमजी
भाद्र सु. ४ चि. [illegible]कुमारजी
(चि. [illegible]कुमारजी)
चि. प्रणयकुमारजी के लालजी–२
फाग सु. १३ चि. [illegible]
श्रीपरागकुमारजी के लालजी–१
जेठ सु. ७ चि. [illegible]
पोष सु. ४ चि. [illegible]कुमारजी
(चि. [illegible]कुमारजी)
चि. अभिषेकजी के लालजी–१
अषा सु. १३ चि. रक्षितबावा
श्रीशिशिरकुमारजी के लालजी–१

''मथुरा''

(चि. कपिलकुमारजी)
श्रीब्रजरमणलालजी के लालजी–२
पोष व. ५ चि. प्राणवल्लभजी
चि. वागीशकुमारजी के लालजी–२
भाद्र सु. ६ चि. रसिकवल्लभजी
कार्ति व. ९ चि. ब्रजभूषणजी
(चि. वेदान्तकुमारजी)
चि. प्राणवल्लभजी के लालजी–२
कार्ति. सु. ११ चि. व्रजवल्लभजी

चैत्र व. ११ चि. जयवल्लभजी

''वाराणसी'

मार्ग सु. २ श्री श्याममनोहरजी

मार्ग कृ. ६ चि. प्रियेन्दुबाबा

''कोटा–मुम्बई''

चैत्र व. ६ श्री विट्ठलनाथजी

(लालमणीजी)

श्रीलालमणीजी के लालजी–२

श्राव. सु. ९ चि. गिरधरजी

''कोटा''

चैत्र सु. १० श्री गोपालालजी

चि. गोपालालजी के लालजी–२

आश्वि. व. ३ चि. व्रजालंकारजी

अषा. व. ४ चि. शरदकुमारजी

''कडी–अमदावाद''

भाद्र. व. १ श्री व्रजेशकुमारजी

माघ व. १० श्री राजेशकुमारजी

(श्री घनश्यामलालजी)

आश्वि सु. १० श्री विजयकुमारजी

(श्रीदामोदरलालजी)

चैत्र व. १२ श्री वल्लभलालजी

श्रीव्रजेशकुमारजी के लालजी–३

चैत्र सु. ६ चि. पद्मनाभजी

(चि. यदुनाथजी)

कार्ति. सु. १० चि. द्वारकेशजी

कार्ति सु. ७ चि. जयदेवजी

श्रीराजेशकुमारजी के लालजी–२

कार्ति. सु. ७ चि. कृष्णकुमारजी

फाग. सु. ११ चि. कुंजेशकुमारजी

श्रीविजयकुमारजी के लालजी–२

श्राव. व. १२ चि. हरिरायजी

जेठ व. १० चि. दर्शनकुमारजी

श्रीवल्लभलालजी के लालजी–१

अषा. सु. ८ चि. प्रमेयकुमारजी

''कलकत्ता''

श्राव. सु. ७ श्री त्रिलोकीभूषणजी

श्रीत्रिलोकीभूषणजी के लालजी–१

जेठ व. १ चि. राजीवलोचनजी

''अमदावाद''

कार्ति. सु. १२ श्रीव्रजनाथजी

श्रीव्रजनाथजी के लालजी–२

आश्वि. व. १० चि. मधुसुदनजी

आश्वि सु. १ चि. व्रजाभरणजी बाबा

''विरमगाम-अमदावाद''

आश्वि. व. १४ श्री चन्द्रगोपालजी (श्रीजयदेवजी)

श्रीचन्द्रगोपालजी के लालजी-३

आश्वि. व. ९ चि. व्रजेन्द्रकुमारजी

श्राव व. ११ चि. कन्हैयालालजी

चि. मथुरेशजी के लालजी-१

आश्वि व. १४ चि. रघुनाथजी

चि.व्रजेन्द्रकुमारजी के लालजी-१

माध व. ६ चि. रसिकप्रीतमजी

चि.कन्हैयालालजी के लालजी-१

श्राव. व. ८ चि. गोकुलेशजी

''गोकुल''

फाग. व. १० श्री देवकीनन्दनजी

श्रीदेवकीनन्दनजी के लालजी-२

माध व. ३० चि. वल्लभलालजी

फाग. सु. २ चि. विठ्ठलनाथजी

''कामवन'' (पंचमगृह)

फाग. सु. २ श्री वल्लभलालजी

कार्ति. व. १३ श्री रघुनाथलालजी

जेठ व. १४ श्री द्वारकेशलालजी (सूरत)

माध सु. १ श्री नवनीतलालजी(भावनगर)

आश्वि. स. ११ श्री मुरलीधरजी (मुम्बई)

श्रीवल्लभलालजी के लालजी-२

भाद्र कृ. २ श्री देवकी नंदनजी (देवेशजी)

श्रावण कृ. १० श्री विठ्ठलेशजी(व्रजांगजी)

श्रीरघुनाथजी के लालजी-२

मार्ग सु. ९ श्री गिरधरजी (ऋषिबावा)

श्रावण कृ. ५ श्री दामोदरजी (रविबावा)

श्रीद्वारकेशलालजी के लालजी-२

कार्ति. सु. ३ चि. अनिरुद्धलालजी

अषा. व. ९ चि. कन्हैयालालजी

श्रीनवनीतलालजी के लालजी-१

कार्ति. सु. १ चि. गोकुलेशरायजी

श्रीमुरलीधरजी के लालजी-१

मार्ग. सु. ४ चि. जयदेवजी

श्रीअनिरुध्धलालजी के लालजी-१

भाद्र कृ. ४ श्री गोविन्दजी

श्रीकन्हैयालालजी के लालजी-१

कार्तिक सु. १० श्री जयदेवजी

''कामवन'' (सप्तमगृह)

माध सु. १३ श्री घनश्यामलालजी

चैत्र सु. १५ श्री रघुनाथलालजी (मुम्बई)
आश्वि. सु. ११ श्री कृष्णकुमारजी
(मुम्बई)

श्रीघनश्यामलालजी के लालजी–३

अषा. सु. ११ चि. ब्रजेशकुमारजी
श्राव. व. ३ चि. गोपाललालजी
आश्वि. व. १२ चि. कल्याणरायजी

चि. गोपालालजी के लालजी–१

आश्वि. व. ४ चि. हरिरायजी

चि. कल्याणरायजी के लालजी–२

श्राव. व. ३ चि. अनिरुद्धलालजी
भाद्र व. १ चि. उपेन्द्रकुमारजी

श्रीरघुनाथलालजी के लालजी–१

माध सु. ४ चि. योगेशकुमारजी

चि. योगेशकुमारजी के लालजी–१

जेठ व. १३ चि. व्रजोत्सवजी

श्रीकृष्णकुमारजी के लालजी–१

भाद्र सु. १३ चि. शिशिरकुमारजी

''मुम्बई''

पोष व. ४ श्री मधुसूदनलालजी (चेन्नई)
अषा. सु. २ श्री किशोरचन्द्रजी (बेंगलोर)
आश्वि सु. ७ श्री हरिरायजी
फाग. सु. १३ श्री मुरलीमनोहरजी
चैत्र व. ४ श्री योगेशकुमारजी
(श्रीयदुरायजी)
कार्ति. व. ४ श्री कमलेशकुमारजी
कार्ति. व. १३ श्री रेवतीरमणजी
(श्रीरमेशकुमारजी)
माघ सु. ६ श्री अनिरुद्धलालजी
(श्रीराजकुमारजी)
मार्ग. व. ६ श्री नीरजकुमारजी
जेठ व. ६ श्री श्याममनोहरजी (कृष्णगढ)
कार्ति. व. १० श्री उत्तमश्लोकजी

श्रीमधुसुदनलालजी के लालजी–२

वैशा. सु. १० चि. कृष्णजीवनजी
पौष व. ६ चि. वल्लभदीक्षितजी

श्रीकिशोरचन्द्रजी के लालजी–१

श्राव. सु. ११ चि. शिशिरकुमारजी
(चि.गिरधरलालजी)

श्रीजीवनेशजी के लालजी–२

चैत्र सु. १४ चि. पंकजकुमारजी
(चि.पुरुषोत्तमजी)

अषा. सु. ११ चि. ललितत्रिभंगीजी

श्रीहरिरायजी के लालजी–१

मार्ग व. ४ चि. ऋषिकेशजी

श्रीमुरलीमनोहरजी के लालजी–१

आश्वि सु. ११ चि. गोपिकालंकारजी

श्रीयोगेशकुमारजी के लालजी–१

आश्वि सु. १ चि. बालकृष्णजी

(चि. मिथिलेशकुमारजी)

श्रीकमलेशकुमारजी के लालजी–१

फाग. व. ९ चि. मुकुन्दरायजी

श्रीनृत्यगोपालजी के लालजी–२

श्राव. सु. १ चि. मनमोहनजी

अषा. व. ३० चि. हिरण्यगर्भजी

श्रीरेवतीरमणजी के लालजी–१

माध व. ६ चि. रघुनाथजी

श्रीअनिरुद्धलालजी के लालजी–२

माध व. ९ चि. प्रशान्तकुमारजी

(चि. यदुनाथजी)

फाग. सु. १५ चि. गोकुलनाथजी

श्री नीरजकुमारजी के लालजी–१

वैशा व. १४ चि. गोविन्दरायजी

श्रीउत्तमश्लोकजी के लालजी–१

अषा. सु. ५ चि. दामोदरजी

चि. पंकजकुमारजी के लालजी–२

मार्ग सु. ४ चि. गोकुलनाथजी

माध सु. ६ चि. घनश्यामलालजी

चि. ललितत्रिभंगीजी के लालजी–२

फा. सु. ८ चि. व्रजवल्लभजी

माध व. ७ चि. यमुनावल्लभजी

चि.ऋषिकेशजी के लालजी–२

श्राव सु. १ चि. राजीवलोचनजी

चैत्र सु. ७ चि. रविरायजी

चि. मनमोहनजी के लालजी–१

अषा. व. १३ चि. प्रियव्रतजी

आश्वि सु. ३ श्री रसिकवल्लभजी (लंडन)

चैत्र सु. ९ श्री महेन्द्रकुमारजी

श्रीरसिकवल्लभजी के लालजी–१

आश्वि. सु. १३ चि. शिशिरकुमारजी

''बोरीवली–मुम्बई''

कार्ति व. १३ श्री श्यामसुन्दरजी

(श्रीत्रिभंगीरायजी)

चैत्र व. ११ श्री व्रजप्रियजी

चैत्र व. १४ श्री यशोदानन्दनजी

श्राव. व. १३ श्री राकेशकुमारजी

श्रीश्यामसुन्दरजी के लालजी–१

कार्ति. सु. ३ चि. यमुनेशजी

चि. यशोदानन्दनजी के लालजी–१

फाग. व. १० चि. नूपुरकुमारजी

''अमरेली–मुम्बई''

भाद्र सु. ८ श्री व्रजजीवनजी

श्रीव्रजजीवनजी के लालजी–२

जेठ सु. २ चि. द्वारकेशलालजी

कार्ति. सु. ७ चि. पुरुषोत्तमलालजी

श्री पुरुषोत्तमजी के लालजी–१

आश्वि कृ. २ चि. अनुग्रहकुमारजी

''पूना''

फाग. व. ११ श्री भरतकुमारजी

चैत्र सु. ४ श्री अजयकुमारजी (चेन्नई)

''सूरत''

अषा. व. ३ चि. गोपेशकुमारजी

पोष व. ३ चि. मुकुन्दरायजी

माध व. ५ श्री कल्याणरायजी

मार्ग सु. ११ श्री वल्लभलालजी

चैत्र सु. ११ श्री मथुरेशजी

पोष व. ५ श्री प्रभुजी

श्रीवल्लभलालजी के लालजी–१

आश्वि सु. १ चि. अनुरागजी

श्रीमथुरेशजी के लालजी–२

भाद्र सु. ६ चि. योगेशकुमारजी

भाद्र व. २ चि. धुमिलकुमारजी

चि. धुमिलकुमारजी के लालजी–१

कार्ति व. २ चि. व्रजरायजी

''जामनगर–चापासेन''

माध व. ३ श्री विट्ठलेशरायजी

जेठ सु. ५ श्री हरिरायजी

फाग. व. १४ श्री व्रजरत्नजी (नडियाद)

पोष सु. ९ श्री नवनीतलालजी

अषा. सु. ८ श्री बालकृष्णलालजी

श्रीविट्ठलेशरायजी के लालजी–३

श्राव सु. २ चि. रसिकरायजी

अषा. सु. १५ चि. मुकुटरायजी

चैत्र सु. १२ चि. शरदकुमारजी

श्रीहरिरायजी के लालजी–१

मार्ग व. १२ चि. वल्लभलालजी

''पोरबन्दर''

वैशा. सु. ७ श्री हरिरायजी

श्रीहरिरायजी के लालजी–१

भाद्र. सु. ११ चि. जयवल्लभजी

(जय गोपालजी)

''मथुरा–पोरबन्दर''

मार्ग. व. १० श्री रसिकरायजी

श्राव. सु. १२ श्री मधुरेशजी

आश्वि. व. १० श्री कन्हैयालालजी(मुम्बई)

पोष सु. ९ श्री श्याममनोहरजी

(श्रीजयदेवलालजी)

श्री रसिकरायजी के लालजी–२

वैशा. व. १० चि. चन्द्रगोपालजी

वैशा. व. ७ चि. शरदकुमारजी

श्रीमधुरेशजी के लालजी–२

माध व. १२ चि. बसन्तकुमारजी

कार्ति. सु. ६ चि. भरतकुमारजी

श्रीकन्हैयालालजी के लालजी–२

माध व. ५ चि. अभिषेककुमारजी

वैशा. सु. ३ चि. अक्षयकुमारजी

चि. चन्द्रगोपालजी के लालजी–१

अषा. सु. ७ चि. मिलनकुमारजी

चि. अभिषेककुमारजी के लालजी–१

चैत्र कृ. ११ चि. द्वारकेशलालजी

''राजकोट–खंभालीया–बोरीवली''

पोष सु. १३ श्री वल्लभलालजी

श्रीवल्लभलालजी के लालजी–३

वैशा. सु. १३ चि. राजीवलोचनजी

मार्ग सु. २ चि. गोविन्दरायजी

जेठ सु. १५ चि. गोपिकालंकारजी

चि. राजीवलोचनजी के लालजी–३

अषा. व. ५ चि. देवकीनन्दनजी

(चि. भागवतजी)

जेठ सु. ४ चि. कुंजरायजी

(चि. योगेन्द्रजी)

श्राव. व. चि. गिरधरजी

चि.गोपिकालंकारजी के लालजी–१

फाग. सु. २ चि. द्वारकेशलालजी

चि. देवकीनन्दनजी के लालजी–१

चैत्र वदी ११ चि. दीक्षितजी(चि.वेदांगजी)

''जूनागढ''

श्राव. व. ३ श्री दानीरायजी

वैशा. सु. ६ श्री किशोरचन्द्रजी

श्रीदानीरायजी के लालजी–४

श्राव. सु. १२ चि. गोकुलेशजी

श्रीव्रजरत्नजी के लालजी–१

आश्वि. सु. ७ चि. गोकुलोत्सवजी

कार्ति. सु. ५ चि. पुरुषोत्तमजी

अषा. व. ११ चि. व्रजेन्द्रकुमारजी

कार्ति. सु. १५ चि. विशालकुमारजी

श्रीकिशोरचन्द्रजी के लालजी–१

कार्ति. व. ४ चि. ब्रजेन्द्रजी

''वेरावल''

माघ सु. ८ श्री माधवरायजी

मार्ग. सु. ९ श्री चन्द्रगोपालजी

अषा. व. १४ श्री शैलेन्द्रकुमारजी
(श्रीशरदकुमारजी)

श्रीमाधवरायजी के लालजी–१

अषा. व. ४ चि. मुरलीधरजी

श्रीचन्द्रगोपालजी के लालजी–१

श्राव. व. ८ चि. अनिरुद्धलालजी

श्रीशैलेन्द्रकुमारजी के लालजी–१

श्राव. सु. ३ चि. लाडलेशजी

''मांडवी''

माध व. ९ श्री अनिरुद्धलालजी

अषा. सु. ८ श्री चिमनलालजी (गोकुल)

श्रीदामोदरलालजी के लालजी–१

वैशा. सु. १४ चि. रविन्द्रजी
(चि. रणछोडलालजी)

श्रीअनिरुद्धलालजी के लालजी–१

वैशा. सु. १४ चि. रसिकरायजी
(चि. शरदकुमारजी)

श्रीचिमनलालजी के लालजी–२

अषा. व. ६ चि. चन्द्रगोपालजी

कार्ति सु. ४ चि. भूषणजी

श्रीमुरलीमनोहरजी के लालजी–१

आश्वि. व. ७ चि. व्रजवल्लभजी

चि. रविन्द्रजी के लालजी–२

जेठ सु. ८ चि. मुकुन्दरायजी

फाग. व. १३ चि. गोकुलनाथजी

लीलारथ गोस्वामी बालकन के उत्सव गुर्जर मास प्रमाणे

''चैत्र''

सु. ३	श्री देवकीनन्दनजी	कामवन
सु. १३	श्री मुरलीधरजी	काशी
सु. १५	श्री मुरलीधरलालजी	बोरीवली
व. १	श्री द्वारकेशलालजी	पोरबन्दर
व. ११	श्री देवकीनन्दनजी	इन्दौर

''वैशाख''

सु. १०	श्री मुरलीमनोहरजी	मांडवी
व. ५	श्री रणछोडलालजी	कोटा
व. १२	श्री दीक्षितजी	कृष्णगढ
व. १२	श्री व्रजरमणलालजी	मथुरा
व. १४	व्रजाधीशजी	मुम्बई

''जेठ''

सु. १	चि. मथुरेशजी वीरमगाम–अहमदावाद	
सु. ४	श्री त्रिविक्रमलालजी	कलकत्ता
सु. ९	श्री द्वारकेशलालजी	कोटा
सु. १५	श्री जीवनलालजी	काशी
सु. १५	श्री माधवरायजी	मुम्बई
व. ४	श्री गिरधरलालजी	कामवन
व. ८	श्री घनश्यामलालजी	मांडवी
व. १४	श्री वागीशलालजी	मुम्बई

''अषाढ''

सु. २	श्री मगनलालजी	वेरावल
सु. २	श्री गोपाललालजी	काँकरोली
सु. ३	श्री वल्लभलालजी	कामवन
सु. ३	श्री मथुरेशजी	मुम्बई
सु. ५	श्री मुकुन्दरायजी	मुम्बई
सु. ५	श्री विठ्ठलेशरायजी	मुम्बई
सु. ९	श्री घनश्यामलालजी	पोरबन्दर
व. ५	श्री दामोदरलालजी	मांडवी
व. ११	श्री बालकृष्णलालजी	सूरत
व. ११	श्री विठ्ठलेशरायजी	इन्दौर
व. १३	श्री बालकृष्णलालजी	काँकरोली
व. १३	श्री कृष्णरायजी	इन्दौर
व. १३	श्री नटवरलालजी	वेरावल

''श्रावण''

सु. २	श्री वल्लभलालजी	मुम्बई
सु. ३	श्री दामोदरलालजी	चापासेनी
सु. १२	श्री गोपीनाथजी	मुम्बई
व. १	श्री गोवर्धनलालजी	नाथद्वारा
व. ८	श्री कन्हैयालालजी	गोकुल
व. ९	श्री कृष्णजीवनजी	चेन्नई
व. १०	श्री व्रजनाथजी	विलेपार्ले
व. १२	श्री विठ्ठलेशरायजी	चापासेनी

''भाद्रपद''

सु. ४	श्री पुरुषोत्तमलालजी	मुम्बई
सु. ८	श्री व्रजरत्नलालजी	सूरत
सु. १२	श्री गोकुलनाथजी	मुम्बई
सु. १२	श्री अनिरुद्धलालज	नडियाद
व. ३	श्री गोवर्धनलालजी	मुम्बई
व. ३	श्री दामोदरलालजी	मथुरा

व. ७	श्री वल्लभलालजी	शेरगढ
व. ११	श्री नृसिंहलालजी	मुम्बई

''अश्विन''

सु. ११	गो.श्री कृष्णकुमारजी	मुम्बई
व. ३	श्री घनश्यामलालजी	मुम्बई
व. ५	श्री मगनलालजी	सूरत
व. ७	श्री व्रजनाथजी	जामनगर
व. १०	श्री व्रजरायजी	अमदावाद
व. १३	श्री व्रजपाललालजी	मथुरा

''कार्तिक''

सु. १	श्री गोवर्धनेशजी	वेरावल
सु. २	श्री पुरुषोत्तमलालजी	जूनागढ
सु. ३	श्री प्रदीपकुमारजी	काँकरोली
सु. ७	श्री जीवनेशजी	बिलखा
सु. १३	श्री गोविन्दरायजी	कामवन
सु. १५	श्री श्यामसुन्दरजी	पूना
सु. १५	श्री माधवरायजी	पोरबन्दर
व. १	श्री रमणलालजी	मथुरा
व. ७	श्री गोपाललालजी	मथुरा
व. ७	श्री गोविन्दलालजी	नाथद्वारा
व. ८	श्री राजेन्द्रकुमारजी	मथुरा
व. १४	श्री जयदेवलालजी	वीरमगाम

''मागसर''

सु. १०	श्री दामोदरलालजी	मुम्बई
सु. १४	श्री द्वारकेशलालजी	मांडवी
व. १	श्री दाउजी महाराज	नाथद्वारा
व. ७	श्री रणछोडलालजी	पोरबन्दर
व. १३	श्री गिरधरलालजी	नाथद्वारा
व. १३	श्री पुरुषोत्तमलालजी	कोटा

''पोष''

सु. ४	श्री गोकुलनाथजी	वेरावल
सु. ५	श्री गोपेश्वरलालजी	नाथद्वारा
सु. ६	श्री दामोदरलालजी	नाथद्वारा
सु. १०	श्री कल्याणरायजी	मुम्बई
व. ९	श्री विठ्ठलनाथजी	काँकरोली
व. ११	श्री रणछोडालजी	अमदावाद

''माध''

सु. ४	श्री मधुसूदनलालजी	अमदावाद
सु. ४	श्री कृष्णकुमारजी	काँकरोली
सु. ९	श्री गिरधरलालजी	मुम्बई
सु. १५	श्री गिरधरगोपालजी	काशी
व. २	श्री नटवरलालजी	मांडवी
व. २	श्री व्रजभूषणलालजी	काँकरोली
व. ४	श्री नृत्यगोपालजी	मुम्बई
व. १२	श्री प्रद्युम्नलालजी	बेट द्वारका
व. ३०	श्री गोविन्दरायजी	पोरबन्दर

''फागण''

सु. ११	श्री गोविन्दरायजी	सूरत
व. ८	श्री राजेन्द्रकुमारजी	काँकरोली
व. १३	श्री व्रजरायजी	अमदावाद
व. ३०	श्री कृष्णचन्द्रजी	मुम्बई

श्री गोकुलनाथजी के वचनामृत व्रज के मास सूं देखने। तीज–तेरस, चौथ–चौदस, पंचमी–पून्यो एक जाननो, अमावस तजनी। वचनामृत में विश्वास राखि के प्रयाण करें तो मनोरथ सिद्ध होय।

पौ.	मा.	फा.	चै.	वै.	ज्ये.	अ.	श्रा.	भा.	आ.	का.	मा.
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१
३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२
४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३
५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४
६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५
७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६
८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७
९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८
१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९
११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११

फल

☞	बहोत सुख होय, कलेश नहीं, अर्थ पूर्ण होय
☞	महाभारत होय, अशुभ, जीवनाश होय
☞	अर्थ पूर्ण होय, मनोरत सिद्ध होय, कामना पूर्ण होय
☞	क्लेश – जीवनाश होय, कुशल सूं घर आवें नहीं
☞	वस्तु लाभ होय, मित्र मिले, व्याधि मिटे
☞	महा चिन्ता होय, वियोग होय, कदाचित् घर आवें
☞	सौभाग्य, रत्न–सहित, भलि–भाँति सूं घर आवें
☞	मिलनो न होय, बहुत बुरो होय, जीवनाश दुःख पावें
☞	आशा पूर्ण होय, सौभाग्य पावें, कामना सिद्ध होय
☞	सौभाग्य, दिन बहोत लगें, कुशल सूं घर आवें
☞	क्लेश होय, जीवनाश नहीं, सौभाग्य पावें नहीं
☞	मार्ग में सिद्धि मिले, मित्र मिले, विघ्न मिटे, धन को लाभ

दिन का चोघडिया – लाभ अमृत चल एवं शुभ शुभ होते हैं।

रविवार	उद्वेग	चल	लाभ	अमृत	काल	शुभ	रोग	उद्वेग
सोमवार	अमृत	काल	शुभ	रोग	उद्वेग	चल	लाभ	अमृत
मंगलवार	रोग	उद्वेग	चल	लाभ	अमृत	काल	शुभ	रोग
बुधवार	लाभ	अमृत	काल	शुभ	रोग	उद्वेग	चल	लाभ
गुरुवार	शुभ	रोग	उद्वेग	चल	लाभ	अमृत	काल	शुभ
शुक्रवार	चल	लाभ	अमृत	काल	शुभ	रोग	उद्वेग	चल
शनिवार	काल	शुभ	रोग	उद्वेग	चल	लाभ	अमृत	काल

रात का चोघडिया – काल रोग उद्वेग अशुभ होते हैं।

रविवार	शुभ	अमृत	चल	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ
सोमवार	चल	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चल
मंगलवार	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चल	रोग	काल
बुधवार	उद्वेग	शुभ	अमृत	चल	रोग	काल	लाभ	उद्वेग
गुरुवार	अमृत	चल	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत
शुक्रवार	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चल	रोग
शनिवार	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चल	रोग	काल	लाभ